CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2024 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

अनुसंधान में कृत्रिम् बुद्धिमता

नीतू सेन
शोधार्थी
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
Email – sneetu.07031984@gmail.com

First draft received: 05.04.2025, Reviewed: 18.04.2025
Final proof received: 11.05.2025, Accepted: 28.05.2025

सार संक्षेप

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग वैज्ञानिक खोज, आंकडा विश्लेषण, संम्बंधित साहित्य का अध्ययन तथा अनुसंधान से संबंधित जटिल समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान में कई प्रकार के अध्ययन शामिल हैं, जैसे कि मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, और कंप्यूटर विजन इत्यादि।

मुख्य शब्द : *कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.), वैज्ञानिक खोज, आंकडा विश्लेषण आदि*.

प्रस्तावना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग वैज्ञानिक खोज, आंकडा विश्लेषण, संम्बंधित साहित्य का अध्ययन तथा अनुसंधान से संबंधित जटिल समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान में कई प्रकार के अध्ययन शामिल हैं, जैसे कि मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, और कंप्यूटर विजन इत्यादि।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) तकनीक डेटा का विश्लेषण करती है और इसका उपयोग व्यावसायिक संचालन में प्रभावी रूप से सहायता करने के लिए करती है। उदाहरण के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक ग्राहक सहायता में मानवीय बातचीत का जवाब दे सकती है, मार्केटिंग के लिए मूल चित्र और पाठ बना सकती है, और एनालिटिक्स के लिए स्मार्ट सुझाव दे सकती है।

अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

वैज्ञानिक खोज में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग वैज्ञानिक खोज में कई तरह से किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग नए अणुओं की खोज करने, दवा के विकास को तेज करने तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए भी किया जा सकता है।

डेटा विश्लेषण में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग बड़े व जटिल आंकडों का विश्लेषण **करने** के लिए किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग डेटा से विषयवस्तु और अंतर्दृष्टि की पहचान करने, और भविष्यवाणियाँ करने के लिए किया जा सकता है।

जटिल समस्याओं को हल करने में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग जटिल समस्याओं को हल करने के लिए किया जा सकता है, जैसे कि परिवहन, ऊर्जा और स्वास्थ्य देखभाल आदि।

पैटर्न/स्वरूप की पहचान में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा में जटिल पैटर्न को पहचान सकता है, जिससे शोधकर्ताओं को नए ज्ञान की खोज करने में मदद मिलती है।

समस्या–समाधान में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग समस्याओं का विश्लेषण करने और समाधान खोजने के लिए किया जा सकता है, खासकर उन समस्याओं में जहाँ जटिल तर्क और अनुमान की आवश्यकता होती है.

प्राकृतिक भाषा को समझने में सहायक :– कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शोधकर्ताओं को साहित्य समीक्षा और अन्य शोध कार्यों में नई जानकारी खोजने में मदद करने के साथ–साथ प्राकृतिक भाषा को समझने और संसाधित करने के लिए भी किया जा सकता है।

शोध पत्र लिखना में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शोध पत्र लिखने में मदद के लिए भी किया जा सकता है, जैसे कि पैराग्राफ या पूरे सेक्शन का मसौदा तैयार करना आदि।

स्वचालन में सहायक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शो दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित करने में सहायता करता है, जिससे शोधकर्ता जटिल और रचनात्मक कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

निष्कर्ष

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग वैज्ञानिक खोज, डेटा विश्लेषण, और जटिल समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता है। हालाँकि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से कई नैतिक, तकनीकी, और सामाजिक मुद्दे भी जुड़े हुए है। कृत्रिम

बुद्धिमत्ता अनुसंधान में एक शक्तिशाली उपकरण है जो शोधकर्ताओं को नए ज्ञान की खोज करने, जटिल समस्याओं को हल करने और शोध में समय बचाने में मदद कर सकता है। हालांकि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करते समय डेटा की गुणवत्ता, नैतिक विचार, और शोध मानकों का पालन करने की आवश्यकता होती है।

सन्दर्भ

- डॉ. पाण्डेय रामशकल, डॉ. मिश्र करूणा शंकर ''भारतीय शिक्षा की समसामयिक समस्याएँ'' आर. एस. ए. इन्टरनेशनल, आगरा,
- www.google.com
- डॉ. कुलश्रेष्ठ एस.पी., ''शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार'', श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, इलाहाबाद, संस्करण 2012, पृ.सं. 205–220
- डॉ. अग्रवाल के. के. ''भारत में शिक्षा का विकास'' अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा
- www. edtechbooks.org